मार्गदर्शन में प्रमाणपत्र (सी.आई.जी.)
सत्रीय कार्य
जनवरी तथा जुलाई 2023

एन.ई.एस. – 101 : प्राथमिक विद्यालय का बालक : एक अध्ययन

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. 'मार्गदर्शन' शब्द से आप क्या समझते हो? विद्यालयों में मार्गदर्शन की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।
2. बच्चे के विकास को प्रभावित करने में आनुवांशिक तथा वातावरणीय कारकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।
3. बच्चों में सामाजिक–संवेगात्मक तथा नैतिक विकास के अंतःसंबंध की चर्चा कीजिए। बच्चों के संतुलित सामाजिक–संवेगात्मक तथा नैतिक विकास में बढ़ावा देने में शिक्षक तथा अभिभावक कैसे मदद कर सकते हैं चर्चा कीजिए।

एन.ई.एस.–102 : संवृद्धि तथा विकास को सुगम बनाना

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों के शारीरिक तथा संवेगात्मक विकास से जुड़ी समस्याओं की व्याख्या कीजिए। ऐसी समस्याओं के समाधान में बच्चों की सहायता में शिक्षक की भूमिका की व्याख्या कीजिए।
2. बच्चों में 'वंचन' के कारणों तथा परिणामों की व्याख्या कीजिए। अपने उत्तर को उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।
3. 'प्रतिभाशीलता' की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। प्रतिभाशीलता को बढ़ाने में अभिभावकों तथा शिक्षकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

एन.ई.एस.–103: बच्चों के अधिगम के लिए मार्गदर्शन

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अधिगम के व्यवहारवादी दृष्टिकोण की व्याख्या उचित उदाहरणों के साथ कीजिए।

2. मैस्लों की आवश्यकता संबंधी क्रमसूची का तथा बच्चों के अभिप्रेरित करने में शिक्षक के लिए इसकी आवश्यकता की व्याख्या कीजिए।

3. बच्चों में ध्यानहीनता के कारणों की चर्चा कीजिए। बच्चों में एकाग्रता को बढ़ाने के लिए क्रियाकलाप सुझाइये जिन्हें शिक्षक तथा अभिभावक अपना सकते हैं।

एन.ई.एस. – 104 : बच्चों के सामाजिक–संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों में वाक समस्याओं के विभिन्न कारणों की व्याख्या उचित उदाहरणों द्वारा कीजिए।

2. उत्तर बाल्यावस्था की विकास संबंधी आवश्यकताओं तथा शिक्षक के लिए इसके निहितार्थों की चर्चा कीजिए।

3. बालिकाओं की विशेष समस्याओं की चर्चा कीजिए तथा इन समस्याओं को हल करने उनकी सहायता हेतु अभिभावकों तथा शिक्षकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।